सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" कभी कभी हम गलत नहीं होते...
बस वो शब्द नहीं होते जो हमें सही साबित कर सकें ...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-224 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 02 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

"हरित छत्तीसगढ़, समृद्ध छत्तीसगढ़" के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही सरकार : वन मंत्री केदार कश्यप

फॉरेस्ट फायर अलर्ट का रिस्पांस टाइम 1-2 घंटे से घटकर 5-10 मिनट हुआ

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज छत्तीसगढ़ संवाद, नवा रायपुर में विभागीय उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार वन संरक्षण के साथ वनवासियों की समृद्धि को प्राथमिकता दे रही है।

किसान वृक्ष मित्र योजना: 2 वर्षों में 36,896 हितग्राहियों की 62,441 एकड़ कृषि भूमि पर 3.67 करोड़ पौधों का रोपण। 5 एकड़ तक 100% और उससे अधिक पर 50% अनुदान। तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5,500 रु. प्रति मानक बोरा, देश में सर्वाधिक। वर्ष 2025 में 11.44 लाख परिवारों ने 13.85 लाख बोरा संग्रहण किया, 757 करोड़ का ऑनलाइन भुगतान और 153 करोड़ प्रोत्साहन राशि दी गई। 36,580 क्विंटल वनोपज खरीदी, 16.66 करोड़ का भुगतान। राजमोहिनी सुरक्षा योजना में 26.08 करोड़ और छात्रवृत्ति में 12.07 करोड़ दिए गए।

पीएम जनमन योजना में 6 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों की 70 हजार सदस्य 5 करोड़ से अधिक कमीशन अर्जित कर चुकी हैं। 181 हर्बल केंद्रों से 4.42 करोड़ की आय।

माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा सुधरने से दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, बस्तर, नारायणपुर में इमारती लकड़ी और बांस विदोहन पुनः शुरू, 21.67 लाख मानव दिवस रोजगार का अनुमान। प्रदेश में बाघों की संख्या 2022 में 18 से बढ़कर 2026 में 35 हो गई, 94% की वृद्धि। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व। कृष्ण मृग की संख्या 77 से बढ़कर 200 हुई, जिसकी प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में सराहना की। मानव-हाथी द्वंद्व रोकने के लिए 12 अगस्त 2026 को 'गज संकेत' ऐप लॉन्च, 90 हाथी मित्र दलों के 545 सदस्य कार्यरत। फॉरेस्ट फायर अलर्ट का रिस्पांस टाइम 1-2 घंटे से घटकर 5-10 मिनट हुआ।

राष्ट्रपति से मिलकर लौटे बच्चों ने मुख्यमंत्री साय से की मुलाकात

राष्ट्रपति भवन में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना गौरव की बात है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट कर लौटे छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने आज मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रपति भवन में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना गौरव की बात है। आपने अपनी प्रतिभा और संस्कृति से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने उहरठ विद्यार्थी नुकेश कुमार वर्मा को स्वयं राखी बांधी, जो भावुक क्षण रहा। छात्राओं ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक सुवा नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसकी राष्ट्रपति ने सराहना की।

ग्राम नवलपुर में दंपति की दोहरी हत्या का खुलासा, सगा भाई निकला हत्यारा

पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर सगे भाई ने ही भाई-भाभी की हत्या की थी

नई दृष्टिबिंदु /मुंगेली

लोरमी थाना क्षेत्र के ग्राम नवलपुर में हुए चर्चित दंपति दोहरी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर सगे भाई ने ही भाई-भाभी की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी नंदु कश्यप (46) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना लोरमी में 25 अगस्त को मोहन कश्यप ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके माता-पिता नंदकुमार कश्यप (50) और गौरीबाई कश्यप (50) नवलपुर में अकेले रहते हैं। 18 अगस्त को फोन पर बात हुई थी, उसके बाद संपर्क नहीं हुआ। 24 अगस्त को घर पहुंचने पर बाहर ताला लगा था और अंदर से दुर्गंध आ रही थी। ताला तोड़ने पर दोनों अलग-अलग बिस्तरों पर मृत मिले। मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। बिलासपुर सिम्स में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर थाना लोरमी में अपराध क्र. 365/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए रेंज आईजी रामगोपाल गर्ग और एसएसपी भोजराम पटेल के निर्देश पर एएसपी डॉ. प्रशांत शुक्ला के मार्गदर्शन में डीएसपी माधुरी धिरही और डीएसपी हरविन्दर सिंह के नेतृत्व में थाना लोरमी और साइबर सेल की विशेष टीम गठित की गई।

जांच में सामने आया कि 8 एकड़ पैतृक जमीन में से 3-3 एकड़ दोनों भाइयों को और 1 एकड़ बहन को दिया गया था, जबकि 50 डिसमिल जमीन पिता के पास थी, जो देखरेख करने पर नंदु को मिलनी थी। इसी 50 डिसमिल में मृतक द्वारा आधा हिस्सा मांगने पर विवाद बढ़ गया था। 16 अगस्त को खेत में खाद बह जाने को लेकर भी विवाद हुआ था।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 19 अगस्त की दरम्यानी रात वह लोहे की कुदरी लेकर भाई के घर पहुंचा। पड़ोसी की बाड़ी से बाउंड्री पार कर छत के रास्ते घर में घुसा। बरामदे में सो रहे भाई नंदकुमार के सिर पर कुदरी से वार किया। आवाज सुनकर जागी भाभी गौरीबाई ने उसे पहचान लिया तो उस पर भी हमला कर हत्या कर दी। इसके बाद घर को सामान्य दिखाने के लिए अलमारी खोली, आंगन में हाथ-पैर और कुदरी धोई, बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया और कुदरी को ट्यूबवेल में छिपा दिया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुदरी जप्त कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

सुभाष चंद्रा की प्रॉपर्टी पर NCLT की रोक, 22 हजार करोड़ के कर्ज पर 5.25 करोड़ के प्लान से बैंकों में हड़कंप

लोन न चुकाने पर 2019 में गारंटी इनवोक कर दिवालियापन प्रक्रिया शुरू हुई

नई दृष्टिबिंदु /नई दिल्ली

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। NCLT ने अपने इतिहास में पहली बार 5 सदस्यों की स्पेशल बेंच बनाकर उनकी प्रॉपर्टी बेचने, ट्रांसफर करने या गिरवी रखने पर रोक लगा दी है। साथ ही 5.25 करोड़ रुपये के विवादित रीपेमेंट प्लान पर भी रोक लगा दी गई है।

यह मामला पर्सनल गारंटी से जुड़ा है। 2016 में विवेक इंफ्रा ने इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस से 170 करोड़ रुपये का लोन लिया था, जिसकी गारंटी सुभाष चंद्रा ने दी थी। लोन न चुकाने पर 2019 में गारंटी इनवोक कर दिवालियापन प्रक्रिया शुरू हुई। इस मामले में कुल 22,600 करोड़ रुपये के क्लेम स्वीकृत हैं, जबकि रीपेमेंट प्लान सिर्फ 5.25 करोड़ रुपये का दिया गया। यानी कर्जदाताओं को 100 रुपये पर 3 पैसे ही मिलते, 99 फीसदी से ज्यादा का हेयरकट।

LIC हाउसिंग फाइनेंस के 1300 करोड़ के क्लेम पर सिर्फ 38 लाख रुपये मिलने का प्रस्ताव था। केनरा बैंक और यूनियन बैंक ने इसका विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसे प्लान से क्हउ का उद्देश्य ही कमजोर हो जाएगा। बैंकों का आरोप है कि प्लान के पक्ष में वोट करने वाली कई कंपनियां चंद्रा परिवार से जुड़ी हैं। अब अगली सुनवाई 23 सितंबर को 5 जजों की स्पेशल बेंच के सामने होगी।

नशे में बाइक चलाने पर 10 हजार का जुर्माना

नई दृष्टिबिंदु /अंबिकापुर

यातायात पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में बाइक चालक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगवाया है।

डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में यातायात शाखा द्वारा चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल उऋ29 अख 8364 के चालक सत्यम आत्मज चंद्रिका प्रसाद निवासी गोरगी, थाना चंदौरा, जिला सूरजपुर को रोका गया। ब्रेथ एनालाइजर जांच में वह शराब के नशे में धुत्त पाया गया।

सरगुजा पुलिस

पुलिस ने धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां कोर्ट ने 10 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

त्यौहारों को लेकर राजनांदगांव पुलिस का सघन कॉम्बिंग गश्त

संवेदनशील स्थानों पर पैदल और वाहन पेट्रोलिंग कर संदिग्धों की जांच की गई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी सहित त्यौहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में सोमवार को डोंगरगढ़ टाउन क्षेत्र में 150 पुलिस अधिकारियों-कमर्चारियों ने व्यापक कॉम्बिंग गश्त की। गली-मोहल्लों, बाजार, प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पैदल और वाहन पेट्रोलिंग कर संदिग्धों की जांच की गई। अभियान के दौरान निगरानी और गुंडा बदमाशों की चेकिंग कर उन्हें अपराध से दूर रहने की समझाइश दी गई। पुलिस ने भीड़भाड़ वाले बाजारों, धार्मिक स्थलों और विसर्जन मार्गों पर विशेष नजर रखने की योजना बनाई है। सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट पर भी निगरानी रखी जा रही है। इस अभियान में एएसपी कीर्तन राठौर, सीएसपी वैशाली जैन, एसडीओपी केसरीनंदन नायक सहित कई अधिकारी शामिल रहे।

CGPSC और DMF घोटाले में ED की बड़ी कारवाइ

दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर।

CGPSC और DMF घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार को बड़ी कारर्वाई की है। ED ने CGPSC घोटाले के आरोपी उत्कर्ष चंद्राकर और DMF फंड घोटाले के आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा को गिरफ्तार किया है। दोनों को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 5 दिन के कस्टोडियल रिमांड पर लिया गया है। ED ने प्रदेश में 7 जगहों पर छापेमारी की। इनमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल के PA रहे के.के. चंद्रवंशी, पूर्व OSD अपर कलेक्टर चेतन बोरघारिया और पूर्व पटवारी कमलेश सिंह राजपूत के ठिकाने शामिल हैं।

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

शिविर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। दुर्ग जिला अर्बन पब्लिक सर्विस सोसाइटी और नगर पालिक निगम दुर्ग के सहयोग से आयोजित शिविर में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मोबाइल मेडिकल यूनिट और दाई-दीदी क्लिनिक की चिकित्सकीय टीम ने विद्यार्थियों की ऊंचाई, वजन और सामान्य स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई। साथ ही स्वच्छता, पोषण और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

प्राचार्या पुष्पा बारा ने कहा कि स्वस्थ विद्यार्थी ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ मन और उज्ज्वल भविष्य का आधार है, विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में मनीष कुमार यादव का विशेष सहयोग रहा, वहीं सभी कक्षा शिक्षकों ने विद्यार्थियों को अनुशासित रूप से शिविर तक पहुंचाने में सहयोग किया। विद्यालय परिवार ने स्वास्थ्य विभाग की टीम और निगम का आभार जताया।

38-40 साल की सेवा के बाद 2 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त, दुर्ग पुलिस ने किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जिला दुर्ग में पदस्थ 2 पुलिसकर्मियों ने लगभग 38 से 40 वर्ष की पुलिस सेवा पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग में 31 अगस्त को सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों में प्रधान आरक्षक क्रमांक 229 और आरक्षक क्रमांक 1277 शेषनारायण शामिल हैं। समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने दोनों कमर्चारियों को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके स्वस्थ जीवन व उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्रा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तनुप्रिया ठाकुर, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा सहित कार्यालयीन कमर्चारी उपस्थित रहे।

खास खबर

त्योहार से पहले दुर्ग पुलिस सख्त, डीजे, पंडाल संचालकों को दिए कड़े निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

त्योहार सीजन को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने ऊंच, साउंड सिस्टम, पंडाल और किराया भंडार संचालकों की बैठक ली। पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में हुई बैठक में 50 से अधिक संचालक शामिल हुए। एडिशनल एसपी शहर शोभराज अग्रवाल, उरद छावनी प्रशांत पैकरा और उरद भिलाई नगर निशांत पाठक ने नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार लाउडस्पीकर की आवाज 75 डीबी से अधिक नहीं होगी, रात 10 से सुबह 6 बजे तक ऊंच पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। वाहनों पर ऊंच बजाने पर रोक होगी और हर साउंड सिस्टम के साथ ध्वनि मापक यंत्र रखना अनिवार्य होगा। अस्पताल, स्कूल, कोर्ट और सरकारी दफ्तरों के 100 मीटर दायरे को साइलेंस जोन माना जाएगा। पंडाल संचालकों को व्हाइट मार्किंग के पीछे ही पंडाल लगाने, मुख्य मार्ग और आपातकालीन रास्ता अवरुद्ध न करने के निर्देश दिए गए। आयोजन से पहले नगर निगम से अनुमति, फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिसिटी सेफ्टी और स्ट्रक्चर का सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य होगा। पुलिस ने चेतावनी दी है कि ध्वनि प्रदूषण और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कारवाई होगी।

बिना एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं बिकेगा धान, संस्थागत छूट समाप्त : कलेक्टर

सह-खातेदारों का बकेट क्लेम लंबित होने पर उन्होंने नाराजगी जताई

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

धान खरीदी 2026-27 के लिए अब एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन और एग्रीस्टेक बकेट क्लेम अनिवार्य होगा। बिना इसके धान बिक्री नहीं होगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज पीडब्ल्यूडी सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में सख्त निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। सह-खातेदारों का बकेट क्लेम लंबित होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कलेक्टर ने बताया कि पिछले वर्षों में संस्थागत किसानों को मिलने वाली विशेष छूट इस वर्ष समाप्त कर दी गई है। संयुक्त खाते में सभी हिस्सेदारों का बकेट आईडी बनाकर एग्रीस्टेक में पंजीयन कराना होगा। बाहर रहने वाले हिस्सेदारों से ओटीपी के माध्यम से सहमति ली जा सकती है। उन्होंने विशेष शिविर लगाकर पंजीयन पूर्ण करने, नोटिस तामीली और पंजीयन न कराने वालों से लिखित घोषणा पत्र लेने के निर्देश दिए। किसान अपना पंजीयन समिति, तहसील या लोक सेवा केंद्र में करा सकते हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें —संभाग आयुक्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज संभागीय कार्यालय में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली।

उन्होंने निर्देश दिया कि स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था बेहतर हो और विद्यार्थियों को कोई शिकायत न हो। निलंबित शिक्षकों को आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच शुरू करते हुए उन्हें दर्ज संख्या के आधार पर स्कूलों में पदस्थ कर सेवा लेने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने उच्च शिक्षा विभाग को स्कूल-कॉलेजों में नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान जारी रखने को कहा। निर्माण एजेंसियों को स्वीकृत कार्य समय पर पूर्ण कर हैंडओवर करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि संभाग में 1300 सौर लैंप लगाए गए हैं। खपरी और मटियामोती जलाशयों में 100% और तांदुला, खरखरा सहित अन्य में 80-85% जल भराव हुआ है। अब तक 1330 नवीन प्राथमिक सहकारी समितियां बनाई गई हैं।

प्लेट मिल में कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह आयोजित, 12 कर्मियों को सम्मान

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल विभाग में कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह 31 अगस्त को विभागीय सभागार में आयोजित हुआ। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 कर्मियों को सम्मानित किया गया। मुख्य महाप्रबंधक कार्तिकेय बेहेरा ने प्रमाण पत्र, उपहार और जीवनसाथी के नाम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक संजय त्रिपाठी, जे. सुधाकर, एम. मेयप्पन, सी. पदमनाभन, एन.के. बिसेन, उप महाप्रबंधक विजय पाल सिंह सहित अधिकारी-कमर्चारी मौजूद थे।

अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 कर्मियों को सम्मानित किया गया

पुरस्कृत कर्मियों में प्रचालन से बहुर सिंह, विजय सिंह जोशी, जी. राजेश कुमार, हरिश्चंद्र, मनोज मेहता, धनुश राम रात्रे, मंगल दास मारकंडे, भागवत धुर्वे, यांत्रिकी अनुरक्षण से राहुल राज, शांतिलाल और विद्युत अनुरक्षण से तरुण कुमार नाथ, कौशिक दुआ शामिल हैं। बेहेरा ने कर्मियों के नवाचार और सुरक्षित कार्यप्रणाली की सराहना की। संचालन सुखचंद और श्यामल बैनर्जी ने किया।

भिलाई में 2.74 करोड़ का कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्लांट अधूरा, मलबा खुले में डंप

भिलाई। नगर निगम भिलाई का 2 करोड़ 74 लाख रुपये का सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट) प्लांट अब तक अधूरा है। शहर के मलबे को रिसाइकिल कर पेवर ब्लॉक बनाने की योजना अटकी पड़ी है। परियोजना शाखा के अनुसार प्लांट का वर्कऑर्डर 2024 में महाराष्ट्र के नांदेड़ की गुरु रामदास कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया था। एक साल में प्लांट स्थापित कर एक साल संचालन करना था, लेकिन डेढ़ साल बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। नेहरू नगर एसएलआरएम सेंटर के पीछे बन रहे प्लांट में आधी मशीनें ही लगी हैं। मलबा क्रश करने वाली मशीन लगी है, पर पेवर ब्लॉक बनाने वाली मशीन नहीं लगी। बिजली कनेक्शन, फेंसिंग और शेड का काम भी बाकी है।

2 2 अगस्त को निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने निरीक्षण कर नाराजगी जताई थी। एजेंसी को कई बार नोटिस दिया गया है। भाजपा पार्षद संतोष मौर्य ने कहा कि परियोजना शाखा की लापरवाही से शहर का मलबा जगह-जगह डंप हो रहा है, सुंदरता खराब हो रही है। आयुक्त ने कहा है कि गुणवत्ता के साथ काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

नशाखोरी सामाजिक अभिशाप, युवाओं को बचाना जरूरी : घनश्याम देवांगन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वरिष्ठजन कल्याण महासंघ ने नशा मुक्ति अभियान का आगाज किया है। मंगलवार को सियान सदन वैशाली नगर में आयोजित संगोष्ठी में पदाधिकारियों ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी और अपराधों पर चिंता जताते हुए जनजागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। संगोष्ठी की अध्यक्षता आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने की।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि नशा सामाजिक अभिशाप है जो युवा पीढ़ी के चरित्र और भविष्य को बर्बाद कर रहा है। नशे से व्यक्ति ही नहीं पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है। लड़ाई-झगड़े, लूटपाट और हत्या जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। इसे रोकने वरिष्ठजनों का अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। वक्ताओं ने प्रशासन की भूमिका को लचर बताते हुए पूर्ण नशाबंदी की मांग की।

अभियान के तहत रैली, जनसंवाद, गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। "नशा छोड़ो, जीवन से नाता जोड़ो" जैसे नारों से लोगों को जागरूक किया गया। नशे की लत में फंसे युवाओं को नशामुक्ति केंद्र और विशेषज्ञों की मदद दिलाई जाएगी। कार्यक्रम में अगस्त माह में जन्मे वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। हनुमान चालीसा पाठ और भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर दिनेश कुमार गुप्ता, एस के शुक्ला, धानेश्वर निर्मल सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

AFRC से ही तय होगी निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के तकनीकी पाठ्यक्रमों की फीस

इस निर्णय से फीस निर्धारण में पारदर्शिता आएगी और विद्यार्थियों के हित सुरक्षित होंगे

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग ने सत्र 2026-27 की फार्मेसी काउंसिलिंग को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि राज्य के निजी महाविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों में संचालित तकनीकी पाठ्यक्रमों की फीस का निर्धारण प्रवेश एवं शुल्क विनियामक आयोग (अक्षछ) के प्रावधानों के अनुरूप ही होगा।

मंत्रालय के आदेश के अनुसार, जिन संस्थानों की फीस पूर्व में AFRC द्वारा तय की जा चुकी है, लेकिन सत्र 2026-27 के लिए निर्धारण लंबित है, वे विद्यार्थियों से केवल पिछले वर्ष AFRC द्वारा निर्धारित शुल्क ही ले सकेंगे। वहीं जिन नए संस्थानों की फीस का निर्धारण AFRC द्वारा कभी नहीं किया गया है, वे राज्य के समान पाठ्यक्रम वाले संस्थानों के लिए AFRC द्वारा निर्धारित न्यूनतम शुल्क से अधिक फीस नहीं वसूल सकेंगे।

आदेश में यह भी कहा गया है कि जिन संस्थानों की शुल्क प्रक्रिया लंबित है, उन्हें शपथ-पत्र के आधार पर काउंसिलिंग में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। शपथ-पत्र में संस्थानों को यह घोषणा करनी होगी कि अक्षछ के अंतिम निर्णय तक विद्यार्थियों से किसी प्रकार का अतिरिक्त या मनमाना शुल्क नहीं लिया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इस निर्णय से फीस निर्धारण में पारदर्शिता आएगी और विद्यार्थियों के हित सुरक्षित होंगे।

शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर 2 करोड़ की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 2 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को सिटी कोतवाली पुलिस ने शिकायत के चंद घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

प्रार्थी कृष्ण कुमार चंद्राकर (56) निवासी बैगापारा दुर्ग ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी प्रकाश सिन्हा ने अपनी शेयर ट्रेडिंग कंपनी में निवेश पर अधिक मुनाफे का विश्वास दिलाकर उनके परिवार के 10 सदस्यों से 24 नवंबर 2021 से 13 जनवरी 2022 के बीच कुल 3,04,50,000 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवाए। इसमें से 1,03,60,000 रुपये वापस कर दिए, लेकिन शेष 2,00,90,000 रुपये नहीं लौटाए।

शिकायत पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 467/2026 धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए आरोपी प्रकाश सिन्हा (32) निवासी अमलेश्वर हाल ग्राम कोनार जिला जांजगीर-चांपा को हिरासत में लिया। पूछताछ में जुर्म स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर मोबाइल जब्त किया गया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है।

मध्यप्रदेश निर्मित शराब की महाराष्ट्र से हो रही थी तस्करी, पाटनखास पुलिस ने पकड़ी 20 पेटी

पुलिस ने कार और मोबाइल सहित कुल 5 .33 लाख का माल जब्त किया है

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी पाटनखास पुलिस ने बड़ी कारवाई करते हुए 198 बल्क लीटर अवैध शराब की खेप पकड़ी है। पुलिस ने कार और मोबाइल सहित कुल 5.33 लाख का माल जब्त किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह के निर्देशन और एसडीओपी नेहा पवार के मार्गदर्शन में यह कारवाई की गई। 31 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की कार क्रमांक टल्ल31उ्र100 में भारी मात्रा में शराब महाराष्ट्र से ग्राम बंजारी की ओर लाई जा रही है। सूचना पर बोरी-बंजारी मार्ग, महुआ झाड़ के पास घेराबंदी कर कार को रोका गया। तलाशी में मध्यप्रदेश निर्मित गोवा व्हिस्की की 14 पेटी और बटवाइजर बीयर की

6 पेटी, कुल 20 पेटी (198 बल्क लीटर) बरामद हुई।

पुलिस ने कार चालक स्वप्निल रहिले पिता रामदास रहिले (29) निवासी देवरी, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में अन्य तस्करों के नाम सामने आए हैं, जिनकी [illegible] है।

चाकू दिखाकर लूट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और बाइक जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चिखली पुलिस ने चाकू दिखाकर लूट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 अगस्त की रात करीब 9:15 बजे ग्राम गठुला में लिफ्ट मांगने पर दो युवकों ने बोरी-जोरातरई नहर के पास चाकू दिखाकर 8500 रुपये और मोबाइल लूट लिया था। डर के कारण उसने देर से रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चिखली चौकी पुलिस ने ग्राम बोरी में दबिश देकर आरोपी विष्णु पटौती (22) और अशवन उर्फ अश्वनी नेताम (20) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया ओप्पो मोबाइल, 300 रुपये

नगद, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल उऋ04 टऋ3474 और एक चाकू जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

खास खबर

चाकू दिखाकर लूट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और बाइक जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चिखली पुलिस ने चाकू दिखाकर लूट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 अगस्त की रात करीब 9:15 बजे ग्राम गठुला में लिफ्ट मांगने पर दो युवकों ने बोरी-जोरातरई नहर के पास चाकू दिखाकर 8500 रुपये और मोबाइल लूट लिया था। डर के कारण उसने देर से रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चिखली चौकी पुलिस ने ग्राम बोरी में दबिश देकर आरोपी विष्णु पटौती (22) और अशवन उर्फ अश्वनी नेताम (20) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया ओप्पो मोबाइल, 300 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल CG 04 MG 3474 और एक चाकू जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

शिवपुरी में मनाई गई गुरु बालकदास जयंती, विधायक हर्षिता बघेल हुईं शामिल

डोंगरगढ़ ग्राम पंचायत शिवपुरी में संत शूरवीर बलिदानी राजा गुरु बालकदास जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल शामिल हुईं। विधायक ने गुरु बालकदास के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि उन्होंने समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया, जो आज भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि पंथी नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संत परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत स्वरूप है। लोककला हमारी पहचान है, जिसे संरक्षित करना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर ब्लॉक सतनामी समाज अध्यक्ष पंचराम चंदेल, जिला अध्यक्ष खुमान देशलहरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और पंथी कलाकार उपस्थित थे।

वर्तमान पर फोकस करें और समाज के लिए योगदान दें : राज्यपाल डेका

कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, प्राचार्य उषा किरण अग्रवाल सहित प्राध्यापक और छात्राएं मौजूद थीं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संत गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। राज्यपाल ने कहा कि यह दिन छात्राओं के जीवन में नए अध्याय की शुरुआत है। महिलाओं की तुलना पानी से करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे पानी के बिना जीवन अधूरा है, वैसे ही महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। छात्राएं अपने पास जो है उससे संतुष्ट रहें, पर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करती रहें। उन्होंने कहा कि जीवन सतत सीखने की प्रक्रिया है। तकनीक ने ज्ञान के द्वार खोले हैं, पर यह मानव बुद्धि का स्थान नहीं ले सकती। वतर्मान पर ध्यान देकर कठोर परिश्रम करें और समाज के लिए छोटे-छोटे योगदान दें, यही बड़ा परिवर्तन लाएगा। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, प्राचार्य उषा किरण अग्रवाल सहित प्राध्यापक और छात्राएं मौजूद थीं।

रायगढ़ में त्योहारों से पहले पुलिस का बड़ा अभियान, 58 बदमाशों की हुई परेड

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जन्माष्टमी पर्व, झूला उत्सव और चक्रधर समारोह को देखते हुए रायगढ़ पुलिस ने सोमवार को सख्त कारवाई की। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देशन और एएसपी अनिल सोनी के मार्गदर्शन में शहर के तीनों थानों की पुलिस ने भोर से ही गुंडा, निगरानी बदमाश और संदिग्धों के घरों पर दबिश दी।

नगर पुलिस अधीक्षक राहुल उईके के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने बदमाशों को घरों से लाकर पहले संबंधित थानों में और फिर चक्रधरनगर थाना परिसर में सामूहिक रूप से हाजिर कराया।

चक्रधरनगर थाना परिसर में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा और सीएसपी राहुल उईके ने हाजिर कराए गए बदमाशों से उनके रोजगार और जीवन-यापन के स्रोत की जानकारी ली और कड़ी फटकार लगाई। स्पष्ट चेतावनी दी गई कि अपराध से पूरी तरह दूर रहें, अन्यथा सख्त कारवाई होगी। अब सभी को हर महीने थाने में हाजिरी देनी होगी।

अभियान में कोतवाली के 16, चक्रधरनगर के 23 और जूटमिल के 19 सहित कुल 58 गुंडा/निगरानी बदमाशों को हाजिर कराया गया।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा - रायगढ़ में कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। त्योहारों में खलल डालने वालों पर पुलिस की पैनी नजर है।

नवा रायपुर में खुलेगा NMIMS, 40 एकड़ में बनेगा आधुनिक कैंपस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नवा रायपुर अटल नगर में देश का प्रतिष्ठित संस्थान ठटक्टर अपना कैंपस स्थापित करेगा। आज मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सेक्टर-18 में 40 एकड़ भूमि की लीज अनुबंध और रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी हुई। यह भूमि संचालन संस्था रश्ङट को 90 वर्ष की लीज पर दी गई है। मंत्रिपरिषद ने 21 जनवरी को इसके आवंटन को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए महानगरों में न जाना पड़े, यही सरकार का लक्ष्य है। संस्थान 2-3 वर्षों में पहला बैच शुरू करेगा और 7 वर्षों में पूर्ण विकसित होगा, जहां करीब 10 हजार विद्यार्थी पढ़ सकेंगे। इससे प्रबंधन, कौशल विकास और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदेश में ही मिलेगी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा बैठक, गिरदावरी में लापरवाही न बरतने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों-कमर्चारियों को बायोमेट्रिक से समय पर उपस्थिति दर्ज करने और ई-ऑफिस के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

गिरदावरी कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें लापरवाही न हो। सभी तहसीलदार सर्वेयरों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और दोहरी फसल वाले रकबों का मौके पर जाकर अनिवार्य सत्यापन करें। स्कूलों में

अध्ययनरत विद्यार्थियों के आधार सत्यापन का कार्य भी प्राथमिकता से पूरा करने कहा।

कुपोषण मुक्ति अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने बताया कि जिले के 338 आंगनबाड़ी केंद्र कुपोषण मुक्त हो चुके हैं, शेष केंद्रों को भी शत-प्रतिशत कुपोषण मुक्त बनाने के निर्देश दिए। बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सत्य साईं संस्था के सहयोग से विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य स्क्रीनिंग, सोनोग्राफी और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बताया कि जिले में अब तक 7634 किशोरी बालिकाओं का एचपीवी वैक्सीनेशन हो चुका है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक 5465 घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं, आवेदनों का परीक्षण शीघ्र कर स्थापना में तेजी लाने कहा। वहीं खाद की उपलब्धता, अवैध भंडारण पर कारवाई और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा की, जिसके तहत 1 लाख 42 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का बीमा हो चुका है।

सामाजिक | समाज अध्यक्ष मानु राम साहू ने बताया कि सोशल मीडिया में बताए गए 31 परिवार अलग-अलग नहीं हैं

धनेश्वर साहू को समाज से पृथक किए जाने की खबर का साहू समाज ने किया खंडन

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी।

कुरुद ब्लॉक के ग्राम तर्रागोंदी में ग्रामीण साहू समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में धनेश्वर पिता प्रभुराम साहू को समाज से पृथक किए जाने संबंधी सोशल मीडिया, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित खबर को समाज ने गलत और भ्रामक बताते हुए खंडन किया।

समाज अध्यक्ष मानु राम साहू ने बताया कि सोशल मीडिया में बताए गए 31 परिवार अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं। इसे अलग-अलग परिवारों के रूप में प्रस्तुत करना भ्रामक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि धनेश्वर साहू पाली क्रमांक-2 के अध्यक्ष हैं। उन्हें समाज की बैठकों और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी नियमित रूप से दी जाती है। बैठक में शामिल होना उनका व्यक्तिगत निर्णय है। धार्मिक और सामाजिक

आयोजनों की सूचना उन्हें और उनके परिवार को विधिवत दी जाती है।

पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण साहू समाज तर्रागोंदी सामाजिक नियमों और संगठन की व्यवस्था के अनुसार कार्य करता है। छत्तीसगढ़ शासन और प्रदेश साहू संघ की नियमावली के विपरीत कोई

पुरानी बस्ती में युवक की हत्या, 4 नाबालिग चंद घंटों में गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में रायपुर पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए 4 विधि से संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 अगस्त की रात करीब 11.15 बजे अश्वनी नगर क्षेत्र में एक युवक के गंभीर रूप से घायल पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अहमद रजा उर्फ बाबू को अक्क्टर रायपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में धारा 103, 191(2), 191(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी वेस्ट जोन रॉबिन्सन गुड़िया के निर्देशन में थाना पुरानी बस्ती और अउउव की विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना पर पता चला कि आरोपी ट्रेन से बिलासपुर की ओर भाग रहे हैं। समन्वय से बिलासपुर में घेराबंदी कर 3 बालकों को पकड़ा गया, जबकि एक को रायपुर से गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पुरानी रंजिश के चलते हत्या की बात सामने आई है। पकड़े गए बालकों में से एक पूर्व में लूट के मामले में बाल संप्रेक्षण गृह में निरुद्ध रह चुका है और कुछ दिन पहले ही बाहर आया था।

कमरछठ हमारी मातृशक्ति की श्रद्धा और लोकसंस्कृति का प्रतीक : वेदांत सोनी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा के पावन पर्व कमरछठ (हलषष्ठी) पर राजनांदगांव युवा मोर्चा पश्चिम मंडल के कोषाध्यक्ष वेदांत सोनी ने प्रदेशवासियों, माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वेदांत सोनी ने कहा कि कमरछठ छत्तीसगढ़ की ऐसी सुंदर परंपरा है जिसमें माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए श्रद्धा के साथ व्रत रखती हैं। उन्होंने बताया कि भाद्रपद कृष्ण षष्ठी को मनाए जाने वाले इस पर्व में महिलाएं सामूहिक रूप से सगरी बनाकर कांशी फूलों और प्राकृतिक सामग्री से सजावट करती हैं, शिव-पावर्ती, गणेश की पूजा कर कथा सुनती हैं। इस दिन पसहर चावल, छह प्रकार की भाजी, लाई, महुआ और भैंस के दूध-दही का विशेष महत्व है। हल से जुती जमीन के अनाज का सेवन नहीं किया जाता। वेदांत सोनी ने कहा कि हलषष्ठी का संबंध हलधर भगवान बलराम से है और यह पर्व कृषि जीवन से भी जुड़ा है। यह पर्व हमें परिवार प्रेम, प्रकृति सम्मान और

संपादकीय

दिल्ली में बेखौफ अपराध- पांच हत्याओं ने कानून-व्यवस्था पर फिर खड़े किए सवाल

सच यह है कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में भी अपराध का दायरा बढ़ता गया है। यहां सुरक्षा की कई परतें होने पर भी नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं।देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद स्वाभाविक है कि यहां कानून और सुरक्षा व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर और चौकस होगी और आपराधिक मानसिकता के लोगों के भीतर पुलिस का खौफ होगा। मगर बुधवार को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में एक के बाद एक हत्या की पांच घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि सरकारी दावे चाहे जो हों, सच यह है कि यहां भी अपराधी तत्त्वों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं दिखता।बहुत मामूली बातों पर भी कोई किसी की जान ले लेता है और उसके बाद जब घटनाएं सुर्खियों में आ जाती हैं, तब कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस की नींद खुलती है। गौरतलब है कि बुधवार को हत्या की पांच वारदात से दिल्ली एक बार फिर सहम गई है।एक घटना में नशे की लत के शिकार बेटे ने बुजुर्ग मां की जान ले ली, तो दूसरी में कुछ लोगों ने घात लगाकर सत्रह साल के किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीते दिनों पार्क में बैठे एक युवक की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी गई कि उसने प्रेमिका से छेड़छाड़ करने पर विरोध जताया था।सच यह है कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली में भी अपराध का दायरा बढ़ता गया है। यहां सुरक्षा की कई परतें होने पर भी नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। कई बार तो छोटी-छोटी बातों पर लोग इस कदर उग्र हो जाते हैं कि वे किसी भी निर्दोष की जान ले लेते हैं।यह कानून-व्यवस्था का मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को भी समझना होगा कि आखिर किन वजहों से लोगों के भीतर इस तरह की बेलगाम और हिंसक आक्रामकता घर कर रही है।वहीं आत्मकेंद्रित हो रहे इस समाज में अब कोई किसी को बचाने इसलिए आगे नहीं आता, क्योंकि उन्हें लगता है कि कानून की जटिलताओं में कहीं वह स्वयं न उलझ जाए। विचित्र है कि सड़कों और गलियों में हत्या कर दी जाती है और उसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में निकलती है, लेकिन ऐसी घटनाओं को रोक पाने में वह एक तरह से नाकाम दिख रही है।

कांवड़ यात्रा- भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी हुई पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

सावन मास की शुरुआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन मास में श?विभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर बोल बम का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप।

कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है, बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते है, तो उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर, स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात् शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं।

भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं!

वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्राय- किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि कांवड़ यात्रा का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। कांवड़ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात् कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि कांवड़ शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। कंवार शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ कंधा है।

कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी हुई पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

वाकई में कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था।

स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है. इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है, और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है, लेकिन ये जरूर लिखा है कि जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा. संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी।

हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरुआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार 'क' अक्षर अग्नि को द्योतक है और 'आवर' का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं। गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण धरोहर भी है। कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं, बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है। इस दौरान भक्तों की भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दर्शाता है। सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है। भौगोलिक संदर्भ (लेखक स्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सीएम हेल्पलाइन से नेहा को मिली राहत, बना विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र

दुर्ग ।सीएम हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान में प्रभावी साबित हो रही है।ग्राम पहांदा (अ) निवासी नेहा गेन्डरे का विवाह 19 अप्रैल 2026 को हुआ था, लेकिन ग्राम पंचायत में आवेदन के बाद भी उनका विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र अटका रहा। प्रमाण पत्र न मिलने से वे बैंक और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रही थीं। बार-बार चक्कर काटने के बाद उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।मामले को गंभीरता से लेते हुए पंचायत विभाग ने तुरंत कारर्वाई कर प्रमाण पत्र तैयार कर दिया। नेहा ने कहा कि हेल्पलाइन से आम लोगों का भरोसा बढ़ा है।

राज्य बकरी उद्यमिता योजना का मिला लाभ, पशुपालन को बनाया आजीविका का मजबूत आधार

सफलता की कहानी

जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्र होने के कारण यहां ग्रामीण परिवारों की आजीविका में पशुपालन का महत्वपूर्ण योगदान है।स्थानीय परिस्थितियों, कम लागत और आसानी से उपलब्ध चारे के कारण बकरी पालन ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार और आय का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है।इसी कड़ी में मोहला की हिना परवीन ने राज्य बकरी उद्यमिता योजना का लाभ लेकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

मोहला : योजना से मिला संबल,आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता हिना का परिवार

महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुधन विकास विभाग द्वारा हितग्राही हिना परवीन, पति अमजद खान, भोजटोला रोड, मोहला को राज्य बकरी उद्यमिता योजना के अंतर्गत 13 बकरियां एवं 2 बकरे प्रदान किए।योजना के माध्यम से मिले इस पशुधन को हिना ने केवल सहायता के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे स्वरोजगार का आधार बनाते हुए मेहनत और लगन से बकरी पालन को अपनी आजीविका का प्रमुख साधन बना लिया। योजना का लाभ मिलने के बाद बकरियों के पालन-पोषण, प्रजनन और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया गया।समय के साथ बकरियों की संख्या में वृद्धि होने लगी और उनके बच्चों की बिक्री से परिवार को अतिरिक्त आय प्राप्त होने लगी।इससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में भी सहूलियत हुई।

हिना परवीन बकरी पालन से होने वाली आय का उपयोग परिवार की दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की शिक्षा तथा अन्य घरेलू जरूरतों को पूरा करने में कर रही हैं।बकरी पालन ने उनके परिवार को नियमित आय का जरिया देने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना को भी मजबूत किया है।आज हिना परवीन अपने परिश्रम से न केवल परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं।हिना परवीन कहती है सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं अपने हुनर और मेहनत के बल पर स्वरोजगार स्थापित कर सकती हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकती हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य बकरी उद्यमिता योजना ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, उनकी आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।
क्रमांक-09/02 आर्य

काला धन का साम्राज्य और बेबस होती एजेंसियां

महेन्द्र तिवारी

दुनिया में आर्थिक अपराध का विस्तार जिस तेजी से हो रहा है, उसने कानून और जांच व्यवस्था के सामने एक ऐसी चुनौती खड़ी कर दी है, जिसका आकार लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूयर्कांत ने कैम्ब्रिज में आयोजित 43वें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अपराध सम्मेलन में वैश्विक धन शोधन की भयावह तस्वीर सामने रखते हुए कहा कि एक वर्ष में दुनिया भर में शोधन किया जाने वाला अवैध धन इतना हो सकता है कि उससे पृथ्वी के लगभग 8 अरब लोगों के लिए एक साधारण संगणक खरीदा जा सके। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि इस विशाल अवैध संपदा का 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा ही वापस मिल पाता है।

यह स्थिति केवल धन की चोरी या कर चोरी का प्रश्न नहीं है। धन शोधन के माध्यम से भ्रष्टाचार, रिश्वत, मादक पदार्थों की तस्करी, ठगी और संगठित अपराध से प्राप्त धन को इस तरह विभिन्न माध्यमों में घुमाया जाता है कि उसका वास्तविक स्रोत छिप जाए। अपराधी अपने धन को अलग-अलग खातों, कंपनियों, संपत्तियों और देशों के बीच स्थानांतरित करते रहते हैं। जब तक जांच एजेंसियां उसकी वास्तविक पहचान तक पहुंचती हैं, तब तक धन का स्वरूप और ठिकाना कई बार बदल चुका होता है।

आर्थिक अपराधियों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी गति और जटिलता है। आधुनिक प्रौद्योगिकी ने धन के हस्तांतरण को अत्यंत तेज बना दिया है। दूसरी ओर कानून और जांच की प्रक्रिया में प्रमाण जुटाने, न्यायिक अनुमति लेने तथा दूसरे देशों से सहयोग प्राप्त करने में समय लगता है। यही अंतर अपराधियों को लाभ देता है। न्यायमूर्ति सूयर्कांत ने भी इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक अपराध के विरुद्ध लड़ाई केवल अपराधी को पकड़ने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि अपराध से अर्जित धन का पता लगाकर उसे रोकना और वापस प्राप्त करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कौटिल्य के अथर्शास्त्र का उल्लेख करते हुए यह भी याद दिलाया कि आर्थिक भ्रष्टाचार कोई आधुनिक समस्या नहीं है। कौटिल्य ने राज्य के धन की चोरी रोकने के लिए लेखा परीक्षण, पुनः सत्यापन, गुप्त सूचना और अवैध संपत्ति की जब्ती जैसे उपायों पर बल दिया था। हजारों वर्ष बाद भी मूल चुनौती वही है, केवल अपराध के साधन अधिक जटिल हो गए हैं।

भारत ने आर्थिक अपराधों से निपटने के लिए कानून और संस्थागत व्यवस्था विकसित की है, लेकिन सीमा पार छिपाई गई संपत्ति और विदेशों में मौजूद अपराधियों के मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अलग-अलग देशों के कानून और प्रक्रियाएं अपराधियों को बच निकलने का अवसर देती हैं। इसलिए वित्तीय सूचनाओं का शीघ्र आदान प्रदान, संपत्ति को तत्काल रोकने की व्यवस्था और अपराध से अर्जित धन की वापसी के लिए प्रभावी अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।

काले धन के विरुद्ध लड़ाई वास्तव में कानून और अपराध के बीच गति की लड़ाई है। यदि व्यवस्था केवल अपराधी को पकड़ने पर ध्यान देगी और उसकी अवैध संपत्ति वापस नहीं ला पाएगी, तो अपराध का आर्थिक लाभ बना रहेगा। न्याय का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अपराधी को उसके अपराध से प्राप्त लाभ से वंचित किया जाए और पीड़ितों तथा समाज को उनका अधिकार वापस मिले। न्यायमूर्ति सूयर्कांत का संदेश इसी दिशा में एक गंभीर चेतावनी है कि आर्थिक अपराध पर विजय केवल कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि तेज, पारदर्शी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वित कारर्वाई से ही संभव है।

भारत-बांग्लादेश सीरीज के लिए नई तारीख तलाश रहे बीसीसीआई-बीसीबी

- अगस्त-सितंबर के 3 वनडे और 3 टी-20 फिलहाल टले

नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमिम इक्बाल ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भारत को अगस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टाल दी गई है।

तमिम ने यूट्यूब चैनल 'नॉट आउट नोमान' से कहा, भारत सीरीज नहीं होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है।

दोनों बोर्ड सीरीज कराने के लिए बातचीत में जुटे

तमिम ने कहा, मैं आपको एक छोटी जानकारी देना चाहता हूं। दोनों बोर्ड इस सीरीज को कराने को लेकर बहुत गंभीर हैं। बीसीसीआई और बीसीबी दोनों नई तारीख तलाश रहे हैं कि इसे कब कराया जा सकता है।उन्होंने आगे कहा, हम लगभग एक तारीख को लेकर भी सोच रहे हैं कि क्या उस समय सीरीज हो सकती है या नहीं। अगर मुझे लगता कि मंशा नकारात्मक है, तो आज मैं आपसे यह नहीं कहता कि देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है।उन्होंने कहा, मंशा अच्छी है और हम लगातार बातचीत कर रहे हैं। तारीखों पर भी काम किया जा रहा है, क्योंकि बांग्लादेश भी व्यस्त है और भारत भी व्यस्त है।

सीरीज 2024 में होनी थी-दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई और बीसीबी के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। सुरक्षा बड़ा इश्यू- तमीम इक्बाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरने पर सीरीज संभव- भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरते हैं, तो मैच का रास्ता साफ होगा।

मुस्तफिजुर के हटाने पर रिश्तों में तनाव

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के कहने पर बांग्लादेश के ऑलराउंडर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटा दिया था।इसके बाद अमीनुल इस्लाम की अगुआई में बीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया था। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर की थी।

यूएस ओपन-24 ग्रैंड स्लैम चैंपियन

जोकोविच पहले राउंड में बाहर

- मैच में उल्टी हुई, दवा ली, 49वीं रैंकिंग प्लेयर मारियानो ने 4.36 घंटे में हराया

यूएस (एजेंसी)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर-49 मारियानो नवोने ने पांच सेट के मुकाबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया।

इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके।यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच रहा। 39 साल के जोकोविच ने शुरुआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहली बार पहले राउंड में हारे

जोकोविच के लिए यह यूएस ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वे टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वे कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे।जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार है,जब वे किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं।

मैच के दौरान तबीयत बिगड़ी

जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इनहेलर का इस्तेमाल किया और दवा भी ली। इसके अलावा, वे बार-बार स्ट्रेचिंग करते नजर आए। साथ ही पीठ और पैर में परेशानी से जूझते दिखे।

मारियानो नावोने अर्जेंटीना के एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 27 फरवरी 2001 को हुआ था। नावोने ने तीन साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2024 फ्रेंच ओपन में नावोने को 31वीं वरीयता दी गई थी, उसी से उन्होंने ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया।

मेदवेदेव यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

डेनियल मेदवेदेव ने रु ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2 घंटे 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी वाइल्ड कार्ड सेबेस्टियन गोर्जनी और राफेल कोलिग्नन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

एशिया कप में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

- महिला टी20 क्रिकेट में टॉप विकेटकर बनीं
- भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 94 रनों से हराया। भारत के लिए इस मैच में शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नंदिनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने विमेंस टी-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। 150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा।

भारत ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी।उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए।इससे पहले टीम की टॉप-3 बैटर्स ने 105 रन बनाए।इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिका रावल के 22 रन शामिल रहे।थाईलैंड की ओर से सुलेपॉर्न लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, क्रांति गौड और नंदनी शर्मा।

थाईलैंड- अपिसरा सुवानचोनराठी, फन्निता माया, नन्नापत कोनचारोएनकाई (विकेटकीपर), नत्थाकन चन्थम, चनिदा सुथिरु आंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉर्न लाओमी, नन्नाफ्ट चाइहान, सुनीदा चतुरोंगरत्तना, ओननिचा कामचोम्फू और थिपाचा पुथावोंग (कप्तान)।

इंडिया टीम के कैप्टन को हिमाचल में मान्यता नहीं

स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने शब्द के सर्टिफिकेट ठुकराए; नेशनल वैलिड, इंटरनेशनल नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल में खेल प्रतिभाओं को लेकर स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट का एक अजीब नियम चर्चा में है। वॉलीबॉल में नेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को सरकारी नौकरी के लिए मान्यता दी जा रही है, जबकि इंटरनेशनल स्तर के सर्टिफिकेट को मान्य नहीं माना जा रहा।

यानी जिस खिलाड़ी ने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला, उसके इंटरनेशनल सर्टिफिकेट की खेल विभाग की नजर में कोई मान्यता नहीं है। इस नियम को लेकर खेल विभाग की कार्यप्रणाली और स्पोर्ट्स पॉलिसी पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, हिमाचल के बिलासपुर जिला के 17 वर्षीय होनहार वॉलीबॉल खिलाड़ी शब्द गौतम ने छोटी उम्र में ही देश के लिए चार इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। चीन में तीन दिन पहले संपन्न अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह भारतीय टीम के कप्तान के तौर पर खेलकर लौटे हैं। फिर भी हिमाचल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट की नजरों में वर्ल्ड चैंपियनशिप का सर्टिफिकेट सरकारी नौकरी के लिए मान्य नहीं है।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब [redacted] और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

- 8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड
- दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रेमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रुक्न अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

भारत का शानदार अभियान - फिनलैंड में भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों का अभियान शानदार रहा। एकल और युगल दोनों वर्गों में पदक जीतकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। कुल 16 पदकों के साथ भारतीय दल ने प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन किया

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

कार्तिक आर्यन की मच अवेटेड फिल्म की शूटिंग जल्द होगी शुरू

कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। कार्तिक आर्यन की मच अवेटेड फिल्मों में से एक 'कैप्टन इंडिया' की तैयारियां शुरू हो गई हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर 2026 से लंदन में शुरू होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं, जिन्हें 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मों की कहानियां आज भी दर्शकों से जुड़ती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।

ऐसी होगी फिल्म की कहानी

कार्तिक आर्यन स्टारर यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा है, जो भारत के एक बहादुर रेस्क्यू और एवैक्यूएशन मिशन की सच्ची घटना से प्रेरित है। यह मिशन एक युद्ध से जूझ रहे देश में भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने से जुड़ा था। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। कहानी में एक्शन के साथ-साथ देशभक्ति, भावनाएं और मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाले लोगों की कहानी देखने को मिलेगी।

फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में नजर आएंगे। उनके साथ एक एन्सेम्बल कास्ट भी फिल्म का हिस्सा होगी। हालांकि, बाकी कलाकारों के नाम को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। 'कैप्टन इंडिया' की कहानी नैश वजीकदार, संचिता गुप्ता और प्रियदर्शी श्रीवास्तव ने लिखी है। फिल्म को भूषण कुमार की टी-सीरीज और बावेजा स्टूडियो मिलकर बना रहे हैं। इसके साथ डोपामिन स्टूडियोज भी जुड़ा है और फिल्म का प्रोडक्शन एसबी फिल्म्स कर रहा है। कार्तिक आर्यन की यह फिल्म 13 अगस्त 2027 को रिलीज होगी।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

बोलीं- कहानी कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गई, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोनों खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं। फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं। उन्होंने लिखा, 'दायरा में मेरा बिल्कुल ही नया और अनदेखा पहलू नजर आयेगा उसे पढ़ पाना आसान नहीं है। वो मुश्किल हालात और लोगों पर मुस्कुराते हुए काबू पा लेती है। पृथ्वीराज सुकुमारन का निभाया हुआ रमन, जैसे अजूनी का दूसरा पहलू है। अपने गुस्से को अंदर ही अंदर कैद कर रखा है और वो कभी मुस्कुराता नहीं।'

तेजा सज्जा के जन्मदिन पर हुई 'जॉम्बी रेड्डी 2' की घोषणा साथ नजर आएंगी शनाया कपूर

साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा की बहुचर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' तेजा सज्जा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सज्जा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में होंगे। 'जॉम्बी रेड्डी 2' की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं शनाया कपूर?

शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' का निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा करेंगे। यह फिल्म एक हाई ओक्टेन जॉम्बी एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। इससे पहले सुपर्ण ने 'द फैमिली मैन', 'राणा नायडू' और 'हक' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी प्रशांत वर्मा ने लिखी है। इसके साथ ही फिल्म का संगीत गौरा हरि ने दिया है। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के बारे में तेजा सज्जा की फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।

'रेस' फ्रेंचाइज में इस बार हो सकती है आमिर खान की एंट्री

एक्शन-थ्रिलर फ्रेंचाइज 'रेस' एक बार फिर नए अंदाज में आने की तैयारी कर रही है। इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। निर्माता रमेश तौरानी 'रेस' को नए सिरे से बनाने की तैयारी कर रहे हैं और इसके लिए आमिर खान से बातचीत चल रही है। आमिर ने फिल्म के आइडिया में दिलचस्पी दिखाई है। वह सिर्फ एक्टर के तौर पर फिल्म से जुड़ने के बारे में नहीं सोच रहे, बल्कि स्क्रिप्ट को बेहतर बनाने के लिए लेखकों के साथ मिलकर काम भी कर रहे हैं। आमिर चाहते हैं कि कहानी और उसका ट्रीटमेंट ऐसा हो, जो 'रेस' फ्रेंचाइज को एक बिल्कुल नई दिशा दे सके।' आमिर इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन वह तब तक फिल्म को लेकर पूरी तरह कमिटेड नहीं होना चाहते, जब तक स्क्रिप्ट उस स्तर तक नहीं पहुंच जाती, जैसी वह चाहते हैं।

'टॉक्सिक' में छोटे रोल में छा गईं संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार को मिल रही सराहना के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने इंस्टाग्राम पर फिल्म में अपने द्वारा निभाए गए किरदार की कुछ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए। इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि छोटे से किरदार दर्शकों में इतना प्रभाव डालेगा। अभिनेत्री ने लिखा, 'एक कलाकार के तौर अपने काम का सबसे मजेदार हिस्सा वो किरदार निभाना है, जो आपको चुनौती दें। फिल्म टॉक्सिक ने मुझे एक ऐसा अनोखा रोल निभाने का मौका दिया, जो मेरी असल जिंदगी से बहुत अलग है और शायद इसी वजह से मुझे इसे करने में बहुत मजा भी आया।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि फिल्म में छोटी सी मौजूदगी बड़ा प्रभाव डालेगी और दर्शकों से ढ़ेर सारा प्यार मिलेगा। उन्होंने लिखा, 'बिना किसी उम्मीद के इस फिल्म में आई थी, लेकिन फिल्म में मेरी छोटी सी मौजूदगी को इतना प्यार मिलने से मैं बहुत खुश हूं। मेरे सफर में साथ देने के लिए आप सभी का दिल से शुक्रिया। मैं वादा करती हूं कि आगे भी ऐसे ही रोल करती रहूंगी जो सबको चौंकाते रहेंगे।' अभिनेत्री संजीदा शेख फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक विशेष कैमियो रोल में नजर आ रही हैं। फिल्म में उन्होंने मुख्य किरदार 'राया' (यश) और 'गंगा' (नयनतारा) की मां (कमला) का एक छोटा लेकिन विशेष कैमियो (विशेष उपस्थिति) निभाया है।

मुंज्या की सफलता ने सपनों को और बड़ा कर दिया

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा। खास बातचीत में अभय ने अपने करियर, 'मुंज्या' की सफलता, बड़े होते सपनों और शाहरुख खान से मिली सीख पर बात की।

'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

शाहरुख खान से पहली मुलाकात कैसी रही?

पहली बार मैं पोलैंड में उनसे मिला। हम करीब तीन घंटे साथ बैठे। सुहाना खान भी थीं। बाद में साथ डिनर किया। उनसे मिलने के बाद होटल जाते हुए मुझे एहसास हुआ कि यह वही इंसान हैं, जिनको देखकर मैंने सपने देखना सीखा था। लेकिन उनके साथ रहते हुए वह बिल्कुल महसूस नहीं होने देते कि वह इतने बड़े स्टार हैं। यही उनकी लेजेंडरी बात है कि 35 साल बाद भी वह इतने सरल हैं और सिर्फ अपनी कला से जुड़े रहते हैं।

'किंग' का मैसेज आपके लिए कितना खास था?

उस मैसेज का स्क्रीनशॉट मैंने संभालकर रखा है। कभी-कभी वह मेरा वॉलपेपर भी बन जाता है। 'मुंज्या' को रिलीज हुए दो साल हो गए थे और बीच में कई तरह के विचार आते थे कि आगे क्या होगा, फिल्म कब रिलीज होगी। मैं रिजल्ट से ज्यादा काम को लेकर उत्साहित रहता हूं। लेकिन सफलता के बाद एक खूबसूरत जिम्मेदारी महसूस होती है कि अगली बार और मेहनत करनी है।

अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं।

रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।'' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एक्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते चिकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विटजरलैंड की पहाड़ों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूं। आज मैं अपनी खूबियों और कमियों, अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूं, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूं, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'

प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला .. 'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए स्क्रिप्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

जन्मोत्सव का महीना मरते गौवंश, मौन प्रशासन और जिर्लज्ज हाइवे

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव।

अगस्त का महीना राजनांदगांव में जन्मोत्सव का महीना रहता है। ज्यादातर कद्दावर भाजपाई नेताओं ने इसी माह को चुना था अपने अवतरण के लिए और अब सभी का जन्मोत्सव ना सिर्फ जन्मदिन बल्कि शक्ति प्रदर्शन भी माना जाने लगा है। ये ऐसा माह है जिसमे भाजपा के तमाम छोटे बड़े मंझोले नेता व्यस्त होते हैं अपने नेताओं का जन्मदिन मनाने। तमाम युवा नेता भी भले आम जनता का कौड़ी का काम ना करें लेकिन नेताओं के जन्मदिन पर बस अपना कलेजा काट कर बाहर नहीं रखते ये गनीमत है।

अगस्त का ये माह ही जन्मदिन के बहाने यह अहसास कराता है कि कौन सा कार्यकर्ता किस गुट का है।

कैसे ? ऐसे.. जहां एक ओर ज्यादातर युवा नेता, बड़े और मंझोले नेता जननायक का जन्मदिन हर चौक चौराहों पर बड़े आयोजनों के साथ मनाते दिखे वहीं कुछ कुछ वरिष्ठ नेताओं के जन्मदिन पर उन्होंने सिर्फ सोशल मीडिया में तस्वीरें पोस्ट कर , बधाई दे कर इतिश्री कर दिया।

खैर उगते सूरज को सभी सलाम करते हैं और फिर राजनीति का तो मूल आधार ही वही है। बहरहाल जन्मोत्सव का ये महीना मीडिया जगत के लिए भी एक त्यौहार सा जान पड़ता है। चुनाव दूर हैं लेकिन उनके पास आते हैं जन्मदिन और शक्ति प्रदर्शन में इजाफा होगा ऐसा जान पड़ता है।

० गौवंशों की मौत का असल जिम्मेदार कौन ?

सूचक भाई पूरे शहर के एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिनसे कोई खबर छुप नहीं सकती। लेकिन इस बार सूचक भाई जब आफिस आये तो ना चाय पीने की मनसा जताई ना ही समोसों की। नही तो बिना समोसे वो बात भी ना करें। सूचक भाई शहर में लगातार हादसों में मर रहे गौवंशों के मामले को लेकर दुखी थे। बीते दस दिनों में दजनों गौवंश को बुरी तरह से रौंद देने के मसले को लेकर सूचक भाई दुखी थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या गाय के मौत की कोई कीमत नहीं ? शासन प्रशासन कुछ करता क्यों नहीं ? मैंने सूचक भाई को समझाया कि भाई यहां इंसान के जान की कीमत नहीं है और आप गाय की बात कर रहे। लखोली के निर्माणाधीन नाले में युवक की जान गई, बोरतलाव में तीन मासूम बच्चे डूब कर दुनिया छोड़ गए , दुर्ग रोड की फैक्ट्री में मजदूर की मौत हो गई तब कुछ नही हुआ तो मवेशियों के मरने से क्या ही हो जाएगा।

सूचक भाई ने कहा राजनीतिक लोगों को ध्यान देना चाहिए।

मैंने समझाया कि कुछ माह बाद चुनाव होने वाले हैं उस समय गौमाता को बखूबी याद किया जाएगा। गौठान बन्द यानी कांग्रेस की जिम्मेदारी खतम और भाजपा गौधाम योजना के घोषणा के बाद सब भूल चुकी है। वैसे भी गाय,मन्दिर, मस्जिद ये सब मामले चुनाव में ही ठीक लगते हैं। सूचक भाई की एक बात ठीक लगी। उन्होंने कहा कि जब एनएचएआई वाले इतना टोल वसूलते हैं तो नेशनल हाईवे पर लाइट और गाय के गले में रेडियम वगैरह की जिम्मेदारी वो क्यों नहीं निभाते जबकि नियम में तो यही है और बीते दिनों कलेक्टर साहब ने उनको फटकारा भी था। मैंने समझाया कि भाई यहां गायों की मौत पर सिर्फ राजनीति हावी है। एनएचएआई अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा तो तमाम गौरक्षक, तमाम संगठन, भाजपा , कांग्रेस सभी लोग एनएचएआई का विरोध कर सकते हैं लेकिन कहीं ना कहीं नोटा माइसिन का इंजेक्शन सभी के पैरों को जकड़ देता है।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सम्मान की जरूरत है

संस्कारधानी में यातायात पुलिस का सम्मान करने की जरूरत है। पूरे शहर में जाम की समस्या को खत्म ना कर के वो सिर्फ आम जनता को ना सिर्फ पैदल चलना सिखा रही है बल्कि उनकी तंदुरुस्ती का भी खयाल रख रही है। सूचक भाई बीते दिनों चिखली ओवर ब्रिज में फंस गए । मुझे फोन किया और कहा कि एक घण्टे से जाम में फंसा हुँ कहाँ शिकायत करूँ ? मैंने कहा शिकायत मत कीजिये । ये यातायात विभाग का नया आयोजन है जिसमे इंसान के संयम को परखा जाता है। शहर के हर चौक में यातायात विभाग वाले किसी ना किसी की परीक्षा लगातार ले रहे हैं। भीड़ उनसे सम्हाली नहीं जा रही और बड़े मार्गों पर रसूखदारों के अतिक्रमण हटाने में उनके पसीने छूटते हैं। निजी स्कूलों के नाबालिग बच्चे गाड़ियां दौड़ा रहे जो उन्हें दिख नहीं रहा।

क्योंकि आउटर में कार्यवाही और वसूली करके ऊपर तक ...।

खैर अपने को क्या । आप तो बस इतना ही पढ़िए और समझिए बाकी का काम भी आप ही तय करें। सड़क पर बैठी गाय।

धनपुर की पुरातात्विक धरोहरों का होगा संरक्षण, विशेषज्ञ दल ने किया सर्वे

नई दृष्टिबिंदु / गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले की ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने के लिए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर पुरातत्व विभाग के चार सदस्यीय दल ने धनपुर, बेनीबाई, भस्मासुर टापू और शहरखेरवा का व्यापक सर्वेक्षण किया। कलेक्टर विजय दयाराम के. द्वारा धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता बताने के बाद महंत घासीदास संग्रहालय रायपुर से पुरातत्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह, प्रवीण तिर्की, डॉ. राजीव जॉन मिंज और अमर भारद्वाज की टीम जिले में पहुंची। दल ने धनपुर के प्राचीन मंदिर, धनपुर-धोबहर धरोहर केंद्र में रखी मूर्तियों और अवशेषों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। साथ ही बेनीबाई और भस्मासुर टापू की मूर्तियों तथा शहरखेरवा के संभावित पुरातात्विक स्थलों का जायजा लिया।

सर्वे के बाद कलेक्टर ने दल के साथ बैठक कर संरक्षण और सुंदरीकरण के कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के अनुसार व्यवस्थित संरक्षण से इन स्थलों को सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

लंदन की चकाचौंध छोड़ बने IAS-IPS, फिर छोड़ दी नौकरी दिव्या-गगनदीप की कहानी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा

आलोक तिवारी / नई दिल्ली

जो अफसर सिस्टम के आगे झुकने से इनकार कर देते हैं, उन्हें अक्सर साइडलाइन कर दिया जाता है

IAS अफसर दिव्या मित्तल के इस्तीफे की चर्चा के बीच उनके पति गगनदीप सिंह ढिल्लों की कहानी भी सामने आई है। खास बात यह है कि पति-पत्नी दोनों ने एक साथ देश सेवा के लिए विदेश की नौकरी छोड़ी, UPSC क्रैक किया और फिर दोनों ने ही सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया।

गगनदीप सिंह ढिल्लों 2012 बैच के कडर थे। पहली ही कोशिश में कडर बने। इस्तीफे के समय वे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में संयुक्त महानिदेशक थे। उन्होंने 2022 में ही नौकरी छोड़ दी थी। अब वे Neuracap कंपनी में ट्रेडर के रूप में काम कर रहे हैं।

इससे पहले की कहानी और प्रेरक है। दिव्या और गगनदीप दोनों क्लब और फिर क्लब जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़े। इसके बाद लंदन में अच्छी-खासी सैलरी वाली नौकरी कर रहे थे। लेकिन 2009-10 में दोनों का मन नहीं लगा। विदेश की चमक-दमक छोड़कर भारत लौटे और एक साथ वढरउ की तैयारी शुरू की। 2012 में गगनदीप पहली बार में कडर बन गए, जबकि दिव्या कडर बनीं। दिव्या का लक्ष्य कडर बनना था, तो उन्होंने फिर मेहनत की और 2013 में कडर बनकर दिखा दिया। जानकारों के मुताबिक दोनों को पैसे की कमी नहीं थी। मकसद देश और समाज के लिए कुछ करना था। लेकिन मौजूदा दौर में ईमानदारी से काम करना आसान नहीं रह गया है। आगे झुकने से इनकार कर देते हैं, उन्हें अक्सर साइडलाइन कर दिया जाता है। दिव्या मित्तल और मुजफ्फरनगर के चर्चित कडर रिंकू सिंह राही जैसे अफसर इसके उदाहरण माने जाते हैं। फिर भी दिव्या और गगनदीप की कहानी बताती है कि सफलता का मतलब सिर्फ पद नहीं, बल्कि अपने फैसले खुद लेना है।

बीएसपी से 77 कमर्चारी सेवानिवृत्त, प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र से अगस्त 2026 में 77 कमर्चारी सेवानिवृत्त हुए, जिनमें 6 कार्यपालक और 71 गैर-कार्यपालक शामिल हैं। इसके अलावा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले 62 कार्यपालक और 124 गैर-कार्यपालकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यपालकों के लिए विदाई समारोह इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी सभागार में हुआ। निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की और सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक ए.के. चक्रवर्ती, प्रवीण निगम, पवन कुमार, प्रबीर कुमार सरकार, राकेश कुमार, कमल भास्कर और अरुण कुमार मौजूद थे।

गैर-कार्यपालकों को भिलाई निवास में विदाई दी गई। कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम और महाप्रबंधक संजय द्विवेदी ने आदेश प्रदान किए। जून में स्पर लेने वाले 24 और जुलाई में 38 कार्यपालकों को भी निदेशक प्रभारी ने सम्मानित किया। वहीं जुलाई में स्पर लेने वाले 124 गैर-कार्यपालकों को भी भिलाई निवास में विदाई दी गई। समारोह का संचालन सुप्रियो सेन ने किया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100